भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 146
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 21 जुलाई, 2025
30 आषाढ़, 1947 (शक)

यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में बिहार के दो अशोक स्तंभों को शामिल करना

146. श्री सुनील कुमार :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में बिहार के पश्चिमी चंपारण के रामपूरवा एवं लौरिया को शामिल किया गया है;
(ख) यदि हां, तो क्या इन दोनों अशोक स्तंभों के रखरखाव और पर्यटकों को इस संबंध में जानकारी देने के लिए कोई व्यवस्था की गई है;
(ग) क्या अशोक स्तंभ का एक भाग कोलकाता के संग्रहालय में और दूसरा भाग राष्ट्रपति भवन में रखा गया है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ड.) क्या सरकार का इन स्तंभों को एक स्थान पर सुरक्षित रखने हेतु वाल्मीकि नगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में एक संग्रहालय बनाने का विचार है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): जी नहीं। पश्चिम चंपारण जिले में रामपुरवा और लौरिया के अशोक स्तम्भों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल नहीं किया गया है। तथापि, इन दोनों स्तम्भों के शिलालेखों को यूनेस्को की संभावित सूची में ''मौर्यकालीन मार्गों के समीपस्थ अशोकन शिलालेख स्थलों का क्रमिक नामांकन'' के अंतर्गत शामिल किया गया है।

(ख): भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा इन स्तम्भों को समय-समय पर आवश्यकता के अनुसार परिरक्षित एवं संरक्षित किया जाता है और ये स्तम्भ भली-भांति संरक्षित एवं परिरक्षित हैं।

(ग) और (घ): जी नहीं। रामपुरवा स्तम्भों के सिंह शिखर और वृष शिखर को क्रमश: भारतीय संग्रहालय, कोलकाता और राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में रखा गया है।

(ड.): वर्तमान समय में इस स्थल पर संग्रहालय बनाने से संबंधित कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****